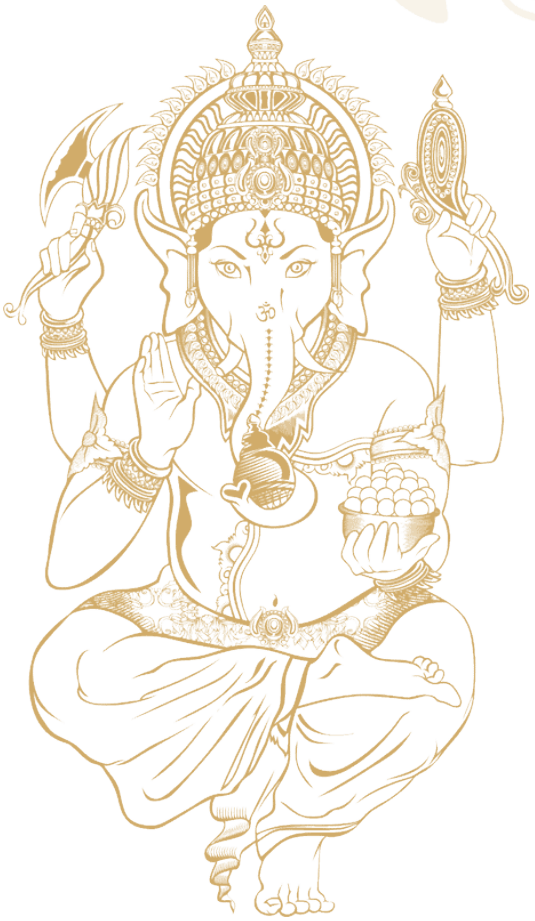

Mr.anuj kumar

14 Oct 1996

07:45 AM

Barabanki

Model: web-freekundliweb

Order No: 120623402

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**14/10/1996**
दिन	सोमवार
जन्म समय	**07:45:00 घंटे**
इष्ट	04:11:15 घटी
स्थान	**Barabanki**
राज्य	Uttar Pradesh
देश	India

अक्षांश	26:56:00 उत्तर
रेखांश	81:11:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:05:16 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	07:39:44 घंटे
वेलान्तर	00:14:01 घंटे
साम्पातिक काल	09:11:22 घंटे
सूर्योदय	06:04:29 घंटे
सूर्यास्त	17:37:43 घंटे
दिनमान	11:33:14 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शरद
सूर्य के अंश	27:12:12 कन्या
लग्न के अंश	18:22:38 तुला

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	तुला - शुक्र
राशि-स्वामी	**तुला - शुक्र**
नक्षत्र-चरण	**स्वाति - 3**
नक्षत्र स्वामी	राहु
योग	विष्कुम्भ
करण	बालव
गण	देव
योनि	महिष
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	शूद्र
वश्य	मानव
वर्ग	मृग
युँजा	मध्य
हंसक	वायु
जन्म नामाक्षर	रो-रोहित
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	तुला

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			तुला	18:22:38	311:57:38	स्वाति	4	15	शुक्र	राहु	चंद्र	---
सूर्य			कन्या	27:12:12	00:59:28	चित्रा	2	14	बुध	मंगल	गुरु	सम राशि
चंद्र			तुला	15:09:40	13:08:33	स्वाति	3	15	शुक्र	राहु	केतु	सम राशि
मंगल			कर्क	26:57:25	00:34:59	आश्लेषा	4	9	चंद्र	बुध	गुरु	नीच राशि
बुध			कन्या	14:09:18	01:40:35	हस्त	2	13	बुध	चंद्र	गुरु	उच्च राशि
गुरु			धनु	16:30:12	00:07:06	पूर्वाषाढ़ा	1	20	गुरु	शुक्र	चंद्र	स्वराशि
शुक्र			सिंह	17:48:37	01:10:43	पू०फाल्गुनी	2	11	सूर्य	शुक्र	मंगल	शत्रु राशि
शनि	व		मीन	08:50:23	00:04:19	उ०भाद्रपद	2	26	गुरु	शनि	शुक्र	सम राशि
राहु	व		कन्या	14:12:51	00:01:32	हस्त	2	13	बुध	चंद्र	गुरु	मूलत्रिकोण
केतु	व		मीन	14:12:51	00:01:32	उ०भाद्रपद	4	26	गुरु	शनि	राहु	मूलत्रिकोण
हर्ष			मक	06:50:11	00:00:13	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	बुध	---
नेप			मक	01:10:46	00:00:15	उत्तराषाढ़ा	2	21	शनि	सूर्य	राहु	---
प्लूटो			वृश्चि	07:37:48	00:01:55	अनुराधा	2	17	मंगल	शनि	केतु	---
दशम भाव			कर्क	21:34:08	--	आश्लेषा	--	9	चंद्र	बुध	सूर्य	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:48:45

लग्न-चलित

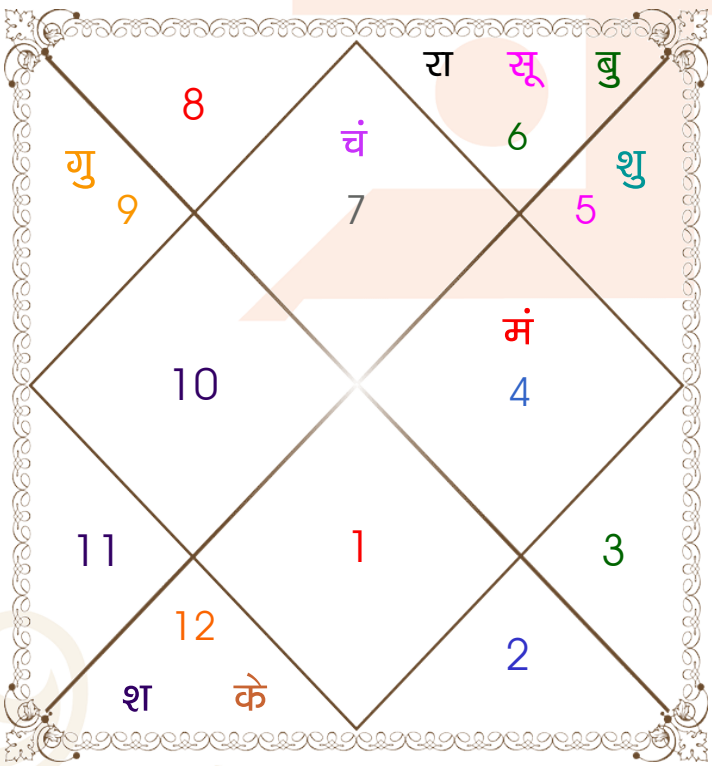

चन्द्र कुंडली

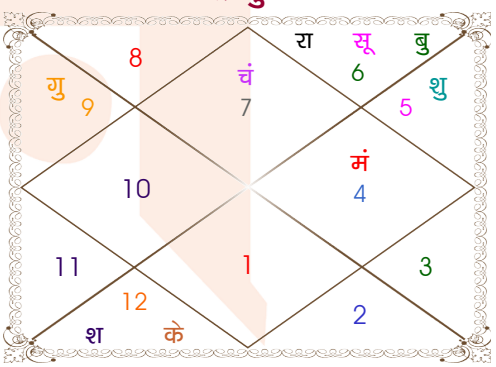

नवमांश कुंडली

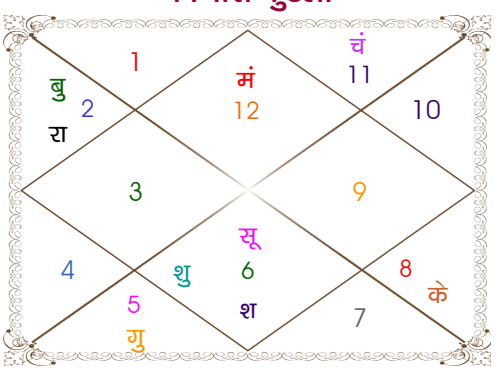

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : राहु 6 वर्ष 6 मास 11 दिन

राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
14/10/1996		27/04/2003		27/04/2019		27/04/2038		27/04/2055	
27/04/2003		27/04/2019		27/04/2038		27/04/2055		27/04/2062	
	00/00/0000	गुरु	14/06/2005	शनि	30/04/2022	बुध	22/09/2040	केतु	23/09/2055
	00/00/0000	शनि	26/12/2007	बुध	07/01/2025	केतु	19/09/2041	शुक्र	22/11/2056
	00/00/0000	बुध	02/04/2010	केतु	16/02/2026	शुक्र	20/07/2044	सूर्य	30/03/2057
	14/10/1996	केतु	09/03/2011	शुक्र	17/04/2029	सूर्य	27/05/2045	चंद्र	29/10/2057
केतु	13/11/1996	शुक्र	07/11/2013	सूर्य	30/03/2030	चंद्र	26/10/2046	मंगल	27/03/2058
शुक्र	14/11/1999	सूर्य	26/08/2014	चंद्र	29/10/2031	मंगल	23/10/2047	राहु	15/04/2059
सूर्य	07/10/2000	चंद्र	26/12/2015	मंगल	07/12/2032	राहु	12/05/2050	गुरु	21/03/2060
चंद्र	08/04/2002	मंगल	01/12/2016	राहु	14/10/2035	गुरु	17/08/2052	शनि	29/04/2061
मंगल	27/04/2003	राहु	27/04/2019	गुरु	27/04/2038	शनि	27/04/2055	बुध	27/04/2062

शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष	
27/04/2062		27/04/2082		26/04/2088		27/04/2098		27/04/2105	
27/04/2082		26/04/2088		27/04/2098		27/04/2105		00/00/0000	
शुक्र	26/08/2065	सूर्य	14/08/2082	चंद्र	24/02/2089	मंगल	23/09/2098	राहु	08/01/2108
सूर्य	26/08/2066	चंद्र	13/02/2083	मंगल	26/09/2089	राहु	11/10/2099	गुरु	03/06/2110
चंद्र	26/04/2068	मंगल	21/06/2083	राहु	27/03/2091	गुरु	17/09/2100	शनि	09/04/2113
मंगल	26/06/2069	राहु	14/05/2084	गुरु	26/07/2092	शनि	27/10/2101	बुध	27/10/2115
राहु	26/06/2072	गुरु	03/03/2085	शनि	25/02/2094	बुध	24/10/2102	केतु	15/10/2116
गुरु	25/02/2075	शनि	13/02/2086	बुध	27/07/2095	केतु	22/03/2103		00/00/0000
शनि	27/04/2078	बुध	20/12/2086	केतु	25/02/2096	शुक्र	21/05/2104		00/00/0000
बुध	24/02/2081	केतु	27/04/2087	शुक्र	26/10/2097	सूर्य	26/09/2104		00/00/0000
केतु	27/04/2082	शुक्र	26/04/2088	सूर्य	27/04/2098	चंद्र	27/04/2105		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल राहु 6 वर्ष 5 मा 28 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म स्वाती नक्षत्र के चतुर्थ चरण में तुला लग्नोदय काल हुआ था। तुलालग्नोदय काल मेदिनीय क्षितिज पर मीन नवमांश के साथ-साथ कुंभ राशि का द्रेष्काण भी उदित था। आपके जन्म लग्नोदयादिक प्रभाव से यह दृश्य हो रहा है कि आप गपशप करने वाले होंगे। आपका जीवन आकर्षक परंतु आप दूसरों के साथ इर्ष्या रखने वाले होंगे।

आप अपनी आयु के 30 से 35 वें वर्ष के अंतराल में काफी धन संपति का अर्जन करेंगे तथा आपका जीवन आनंदपूर्वक व्यतीत होगा। आपका रूप आकर्षित होगा आप अपने प्रताप से बहुत धन का व्यय करेंगे तथा अपना सांसारिक जीवन किस प्रकार बिताया जाए। इस बात का अन्वेषण करेंगे। आप अपने फिजूल खर्ची पर नियंत्रण करेंगे तो अनुकूल रहेंगे। अन्यथा आपकी वृद्धावस्था अति सुखद ही नहीं होगी अपितु वह अवस्था निरस भी हो जाएगी।

आप धार्मिक भावना के प्राणी होंगे। आप अनेक तीर्थ स्थलों का भ्रमण कर सत्यकार्यों में दान प्रदान करेंगे। यह संभाव्य है कि आपमें अनेक गुण विद्यमान होंगे तथा आप विश्वसनीयता पूर्वक व्यवहार करेंगे। आप भगवान की कृपा से उत्तम संतान के पिता होंगे। वे अपना नाम एवं अपनी प्रसिद्धि प्राप्त करेंगे।

आपकी अपनी जीवन संगिनी के रूप में उपयुक्त एवं आदर्श पत्नी प्राप्ति हेतु मिथुन अथवा कुंभ राशि की जातक का चयन करना उत्तम होगा। परंतु यदि आपकी पत्नी कर्क, मकर अथवा मीन राशीय समुदाय की हुई तो वह आपकी आवश्यकता अथवा अनुरूपता के योग्य नहीं होंगी।

परंतु यदि आपकी संगिनी आपको श्रेय नहीं प्रदान करे तो आपको हतोत्साह होने की आवश्यकता नहीं है। आप किसी भी तरह से अपनी पत्नी से विद्वेष नहीं करेंगे।

वास्तव में आप बहुतायत में अपने घरेलू वातावरण को अनुकूल करने के लिए तथा सुव्यवस्थित करने के लिए आपकी पत्नी बेशकीमती आभूषण एवं बहुमूल्य वस्त्रादि से युक्त अपने परिवार के जीवन यापन को प्रमुखता देगी। आप अपने भवन को अपने मित्र एवं सगे संबंधियों की दृष्टि में आकर्षक बनाएंगे। इसके बिना आप अपने रहन सहन को दुष्कर अनुभव करेंगे।

तुला प्रभावित जातक सामान्यतः स्वास्थ्य के दृष्टिकोण से उत्तम एवं उच्च स्तरीय आनंद से युक्त होता है। परंतु वह छुआछूत की बिमारी से वह अद्योगामी भी हो सकता है एवं आयुवृद्धि के कारण मूत्र संबंधी समस्याएं उत्पन्न हो सकती है। अस्तु आपको इसके विरूद्ध सुरक्षात्मक कदम उठाने चाहिए।

आप हर दशा में धन एवं सुंदर सुखद भवन से युक्त होंगे। आप समयानुकूल अपने कार्य कलाप का संपादन करे निश्चित समय पर भोजनादि कर सकते हैं बशर्ते कि आप निम्नांकित निर्देशन का अनुपालन कर सकें।

आपके लिए अनुकूल एवं उत्तम रंग लाल, नारंगी एवं सफेद रंग है। इसके अतिरिक्त आपको पीला एवं हरा रंगों का त्याग करना चाहिए।

आपके लिए अंको में 1, 2, 4 एवं 7 अंक अनुकूल है। इसके अतिरिक्त 3, 5, 6 एवं 9 अंक आपके लिए हानिकारक है।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन शनिवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। बुधवार आप के लिए मध्य फलदायक है।